Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to set up fact finding committee regarding austerities on Gorakhas in Darjeeling, West Bengal.

श्री राजू बिष्ट (दार्जिलिंग): धन्यवाद स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया । मैं पहली बार संसद पहुंचा हूं और आपने मुझे पहली बार बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

सर, मैं बहुत ही पॉप्युलर जगह से आता हूं । उसका नाम दार्जिलिंग है । हम सब लोग रोज सुबह उठकर दार्जिलिंग चाय सबसे पहले पीते हैं । मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याएं आपके सामने रखना चाहता हूं । मेरा पूरा क्षेत्र आज आपातकाल जैसी स्थिति में रह रहा है । क्योंकि यह क्षेत्र बड़ा ही सेंसिटिव है, चार इंटरनेशनल बॉर्डर्स से घिरा हुआ है । इसके बावजूद भी वहां की जो सरकार है, टीएमसी की जो सरकार है, हमेशा आशांति फैलाती रहती है । वहां की अहंकारी सरकार के कारण, यह क्षेत्र लगातार राजनीतिक हिंसा का शिकार होता रहा है । दार्जिलिंग में वर्ष 2017 में जो प्रोटेस्ट हुआ था, उसके बाद से टीएमसी की सरकार और पुलिस का गुंडाराज लगातार चल रहा है । मैं आपको कहना चाहूंगा कि आज भी दार्जिलिंग के पांच हजार युवा घर छोड़कर जंगल में रहने को मजबूर हैं । पुलिस किसी भी युवा को पकड़ लेती है, उस पर फेक केस लगा देती है, सुओमोटो बेसिस पर उनको जेल में ठूंसा जाता है । अभी हाल ही में एक वाकया हुआ था । 80 साल के बुजुर्ग जो फौजी थे, उनको थाने में ले जाया गया और पीटा गया । इस तरह के अत्याचार वहां लगातार हो रहे हैं । अभी टीएमसी की एक सांसद हमें फासिज्म के बारे में ज्ञान दे रही थी । मैं उनसे पूछना चाहूंगा कि जब 11 गोरखा भाई को बीच सड़क पर मार दिया गया तब वह चुप क्यों थी? जो गोरखा देश को सुरक्षित रखने में बहुत बड़ा योगदान देता है, आज वही गोरखा अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहा है । मैं आपके माध्यम से यह चाहता हूं कि एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बना दी जाए और पूरे बंगाल में हो रहे अत्याचार, खास तौर से नॉर्थ बंगाल और दार्जिलिंग में जो अत्याचार और पुलिस

की एट्रोसिटीज़ हो रही है, उसके ऊपर एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाकर लोगों को न्याय दिलाया जाए और वहां लोकतंत्र की बहाली की जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजू बिष्ट द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।